B.A. पार्ट-1,

पेपर - NON-HINDI

(हिन्दीतर भाषा-भाषियों के लिए)

व्याकरण - खण्ड

Scanned with CamScanner

लिंग :- परिभाषा, भेद और उदाहरण

* लिंग *

→ लिंग से तात्पर्य भाषा के ऐसे प्रावधानों से है जो वाक्य के कर्ता के स्त्री, पुरुष, निर्जीव होने के अनुसार बदल जाते हैं। विश्व की लगभग एक चौथाई भाषाओं में किसी न किसी प्रकार की लिंग व्यवस्था है।

उदाहरण -

→ मोहन पढ़ता है। - 'पढ़ता' का रूप पुल्लिंग है, इसका स्त्रीलिंग रूप पढ़ती है।

→ गीता गाती है। यहाँ 'गाती' का रूप स्त्रीलिंग है।

⇒ **लिंग की परिभाषा**

लिंग संस्कृत का शब्द होता है, जिसका अर्थ होता है - 'निशान'। जिस संज्ञा शब्द से किसी व्यक्ति के जाति का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं। इससे यह पता चलता है कि वह पुरुष जाति का है या स्त्री जाति का है।

उदाहरण के लिए :-

→ पुरुष जाति में — बैल, बकरा, मोर, मोहन, लड़का, हाथी, शेर, दरवाजा, पंखा, भवन, घोड़ा, कुत्ता, पिता, भाई आदि।

→ स्त्री जाति में — गाय, बकरी, मोरनी, मोहिनी, लड़की, हथिनी, शेरनी, खिड़की, घोड़ी, कुतिया, माता, बहन आदि।

हिन्दी में दो लिंग होते हैं — पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग, जबकि संस्कृत में तीन लिंग होते हैं:- पुल्लिंग, स्त्रीलिंग तथा नपुंसक लिंग। फारसी

Scanned with CamScanner

जैसे भाषाओं में लिंग होता नहीं और अंग्रेजी में लिंग सिर्फ सर्वनाम में होता है।

⇒ लिंग-निर्माण में आई कठिनाई और उसका हल —

हिन्दी में लिंग के निर्णय का आधार संस्कृत के नियम ही है। संस्कृत में हिंदी से अलग एक तीसरा लिंग भी है, जिसे नपुंसक लिंग कहते हैं। नपुंसक लिंग में अप्राणीवाचक संज्ञाओं को रखा जाता है। हिंदी में अप्राणीवाचक संज्ञाओं के लिंग-निर्णय में सबसे अधिक कठिनाई हिंदी न जानने वालों को होती है।

जिनकी मातृभाषा हिन्दी होती है उन्हें सहज व्यवहार के कारण लिंग-निर्णय में परेशानी नहीं होती। लेकिन, इनमें भी एक समस्या है कि कुछ पुल्लिंग शब्दों के पर्यायवाची स्त्रीलिंग हैं और कुछ स्त्रीलिंग के पुल्लिंग। जैसे :- पुस्तक को स्त्रीलिंग कहते हैं और ग्रन्थ को पुल्लिंग।

⇒ हिन्दी में लिंग :-

व्याकरणाचार्य ने लिंग-निर्णय के कुछ नियम बताए हैं लेकिन उन सभी में अपवाद हैं। लेकिन फिर भी लिंग-निर्णय के कुछ नियम इस प्रकार हैं —

1) जब प्राणीवाचक संज्ञा पुरुष जाति का बोध कराएँ तो वे पुल्लिंग होते हैं और जब वे स्त्री-जाति का बोध कराएँ तो स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे — कुत्ता, हाथी, शेर पुल्लिंग हैं और कुतिया, हथिनी, शेरनी स्त्रीलिंग हैं।

Scanned with CamScanner

2) कुछ प्राणीवाचक संज्ञा जब पुरुष और स्त्री दोनों लिंगों का बोध कराते हैं तो वे नित्य पुल्लिंग में शामिल हो जाते हैं।

जैसे :— खरगोश, खटमल, गैंडा, भालू, उल्लू आदि।

3) कुछ प्राणीवाचक संज्ञा जब पुरुष और स्त्री दोनों लिंगों का बोध कराते हों तो वे नित्य स्त्रीलिंग में शामिल हो जाते हैं।

जैसे :— कोयल, चील, तितली, छिपकली आदि।

Scanned with CamScanner